सांध्य दैनिक

4PM

देश की तरक्की के लिए हमें आपस में लड़ने के बजाए गरीबी, बीमारी और अज्ञानता से लड़ना होगा।
-लाल बहादुर शास्त्री

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 141 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 26 जून, 2025

पंत ने हासिल की कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट... 7

चुनाव आयोग का बड़ा ... 3

सिर्फ 2500 लोग हैं, जो... 2

अघोषित आपातकाल! अखिलेश यादव का लोकतांत्रिक तमाचा

- » इतिहास की राख से राजनीति की आग
- » आपातकाल पर सियासी बयानों की बाढ़
- » 4पीएम न्यूज नेटवर्क ने पिछले दिनों आपातकाल जैसा महौल झेला है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आपातकाल की रात आते ही भारतीय राजनीति में उबाल आना तय होता है। हर साल इस दिन भारतीय लोकतंत्र की सबसे काली रात आपातकाल की बरसी पर सियासी दलों के बीच बयानबाज़ी चरम पर होती है। इस बार भी ऐसा ही हुआ है और बीजेपी ने 1975 की इमरजेंसी को लेकर विपक्षी पार्टियां खासकर कांग्रेस पर जबर्दस्त पालिटिक्ल वार किया है।

इमरजेंसी को काला धब्बा बताते हुए बीजेपी संविधान और लोकतंत्र जैसे विषयों पर राजनीतिक तौर पर पिछड़ने के बाद पालिटिक्ल माइलेज लेना चाहती है। लेकिन विपक्षी नेताओं ने भी बीजेपी पर तगड़ा सियासी पलटवार किया है। मोर्चा अधीर रंजन चौधरी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने संभाला है। अखिलेश यादव ने मौजूदा सरकार पर अघोषित आपातकाल लागू किये जाने का सनसनीखेज आरोप लगाया है।

मौजूदा आपातकाल के बारे में भी सोचिये हुजूर : अखिलेश यादव

यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि 1975 के आपातकाल पर चर्चा करने से पहले मौजूदा आपातकाल जैसे हालातों पर बात कीजिए। आज अभिव्यक्ति की आज़ादी दबाई जा रही है, पत्रकार जेल में हैं, विपक्ष के नेता ईडी और सीबीआई की गिरफ्त में हैं। क्या यह आपातकाल नहीं है। अखिलेश यादव ने कहा कि घोषित और अघोषित दो तरह का आपातकाल होता है। आपातकाल की अगर चर्चा हो रही है तो इस समय जो आपातकाल चल रहा है। उसका ध्यान भी रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की स्थापना इटावा में हुई थी, जबकि भाजपा की विचारधारा अंग्रेजों की बनाई थी।

आपातकाल पर राजनीति

भाजपा के लिए आपातकाल एक रणनीतिक अस्त्र के तौर पर सामने आया है। विपक्ष या यूं कहें कि कांग्रेस, सपा जब-जब मोदी सरकार पर लोकतंत्र को कमजोर करने संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग करने और विपक्ष को डराने धमकाने जैसे आरोप लगती है तब तब भाजपा आपातकाल की याद दिलाकर खुद को लोकतंत्र की रक्षक के तौर पर पेश करती है। बीजेपी कांग्रेस की ऐतिहासिक भूलों की याद दिलाती है और युवा वर्ग में यह मैसेज देने में कामयाब है किकांग्रेस लोकतंत्र विरोधी रही है। वर्तमान में विपक्ष की ओर से जिस तरह के आरोप बीजेपी पर लगते हैं वह उन आरापों की तुलना 1975 से करके खुद को बेहतर साबित करना चाहती है। वह राष्ट्रवाद और लोकतंत्र के नाम पर भावनात्मक माहौल बनाना चाहती है।

सपा प्रमुख के बयान के मायने

अखिलेश यादव के बयान की अहमियत इसलिए भी है क्योंकि विपक्ष यह आरोप लगाता रहा है कि आज का भारत अघोषित आपातकाल झेल रहा है। विपक्ष अपने आरोपों की सच्चाई में ईवीएम पर संदेह जताने वालों को जेल में डालना बताता है पूर्व में इंदिरा गांधी के आपातकाल में भी ऐसा ही हुआ था। सरकार के खिलाफ बोलने वालों को जेल में डाल दिया जाता था। विपक्ष कहता है कि सरकार सीबीआई और ईडी का विपक्षी नेताओं पर चौतरफा हमला कर रही है। विपक्ष का कहना है कि किसान आंदोलन को आतंकवादी करार देना। सीएएस प्रदर्शनकारियों को देशद्रोही कहना। पत्रकारों पर मुकदमें कर जेल में डालना और उन पर राष्ट्रद्रोह जैसे गंभीर मामले लाद देना। यही नहीं मौजूदा समय में अदालतों की चुप्पी और मीडिया का सरकारी प्रवक्ता जैसा व्यवहार इंदिरा गांधी के आपातकाल से ज्यादा खतरनका है।

4पीएम ने किया है डटकर मुकाबला

कहीं न कहीं विपक्षी पार्टियां जो आरोप सरकार पर लगा रही हैं उन में दम है। अघोषित आपातकाल को 4पीएम न्यूज नेटवर्क ने स्वंय झेला है और उसका डटकर मुकाबला किया है। पिछले दिनों 4पीएम न्यूज नेटवर्क के यूटयूब चैनल को सरकार की ओर से बिना नोटिस दिये बंद कर दिया गया था। इस अघोषित बंदी के खिलाफ संपादक सजय शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट से न्याय क गुहार लगाई तब जाकर राहत मिली।

हम संविधान सत्याग्रह मना रहे हैं, भाजपा संविधान की हत्या दिवस : दिग्विजय

इस समय पूरे मध्य प्रदेश में बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की मूर्ति को लेकर सियासत गरमाई हुई है। इसको लेकर पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि मेरा प्रश्न ये है कि क्या भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा लगना चाहिए या नहीं ? ग्वालियर के कुछ वकील साहब ने एक पेंपलेट निकाली है, जिसमें लिखा है कि कोई बीएन राव ने संविधान लिखा है। बी एन राव संविधान समिति के सदस्य नहीं थे.. अरे कौन है बीएन राव? वहीं डबल भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार को चेतावनी देते हैं कहा कि अगर आपने आंबेडकर की प्रतिमा नहीं लगाई तो यह माना जाएगा कि बाबा साहब के विरोधी हैं। भारतीय स्वयंसेवक संघ ने भारतीय संविधान को जलाया था ये एक इतिहास है और उसका विरोध किया था। हम संविधान के बचाव के लिए संविधान सत्याग्रह मना रहे हैं, वो क्या कर रहे हैं। संविधान की हत्या दिवस.. ये कांग्रेस और भाजपा में फर्क है। बता दें आज ग्वालियर में कांग्रेस ने संविधान सत्याग्रह उपवास रखा, जिसमें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह सहित तमाम बड़े नेता शामिल हुए। इस सत्याग्रह की जारी कांग्रेस ने दलित वोट को साधने की कोशिश की और कहा कि कांग्रेस पार्टी के विचारधारा और आंबेडकर की विचारधारा फेविकोल की जोड़ की तरह मजबूत है।

प्रकाश जावड़ेकर ने बीजेपी की ओर से संभाला मोर्चा

बीजेपी की ओर से आपतकाल के मुददे पर शायद ही ऐसा कोई नेता बचा हो जिसका बयान न आया हो। भाजपा नेता प्रकाश जावड़ेकर ने आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी लागू करना लोकतंत्र को नष्ट करने का प्रयास था। उन्होंने आगे कहा कि 1975 में इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस की तत्कालीन सरकार द्वारा देश में आपातकाल सिर्फ राजनीतिक स्वार्थ के लिए लागू किया गया था। भाजपा नेता प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि आपातकाल लागू करना मूल रूप से कांग्रेस द्वारा लोकतंत्र को नष्ट करने का प्रयास था, वह केवल अपनी सत्ता बचाना चाहते थे। देश के सामने कोई वास्तविक संकट नहीं था, संकट केवल कांग्रेस के शासन का था।

राहुल गांधी आपात काल को बता चुके हैं गलत : शास्त्री

कांग्रेस नेता और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के बेटे अनिल कुमार शास्त्री ने कहा है कि हमारे नेता राहुल गांधी भी इमरजेंसी को गलत बता चुके हैं फिर इस मुददे पर इतनी हाय तौबा क्यों उन्होंने कहा कि मुझे याद है कि मैं 25 जून 1975 को मुंबई में काम करने वाला एक युवा था। अगले दिन मैंने देखा कि विरोध के तौर पर एक निजी अखबार का संपादकीय कॉलम खाली था। यहां तक कि राहुल गांधी ने भी हाल ही में स्वीकार किया कि आपातकाल गलत था। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कोई भी प्रतिबंध अस्वीकार्य है। उन्होंने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि मेरा मानना है कि आज के समय अघोषित आपातकाल चल रहा है। अगर कोई भी सरकार के खिलाफ बोलता है तो जांच एजेंसियों को लगा दिया जाता है। आपातकाल के दौर को याद करते हुए उन्होंने कहा कि 1975 में जब आपातकाल की घोषणा की गई तो जनमानस को यह अच्छा नहीं लगा इसीलिए 1977 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी हार गई। इस दौरान इंदिरा गांधी भी अपनी रायबरेली की सीट नहीं बचा पाई। लेकिन जनता पार्टी के कुशासन की वजह से जनता को अहसास हुआ कि देश को कांग्रेस पार्टी की सरकार ही चला सकती है।

सिर्फ 2500 लोग हैं, जो प्रदेश को चला रहे हैं: अखिलेश यादव

» कहा, प्रभुत्ववादी लोग इस समाज को डरा रहे हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि प्रभुत्ववादी और वर्चस्ववादी लोग लगातार पीडीए परिवार के लोगों को डरा-धमका रहे हैं। इटावा में पीडीए समाज के कथा वाचकों को रातभर पीटा गया। हरमोनियम, पैसा और चेन सब छीन लिया गया। सरकार के संरक्षण की वजह से पीडीए के लोगों का सिर मुड़वाया गया। अखिलेश ने कहा कि यह सब इसलिए हो रहा है, क्योंकि प्रदेश में सिर्फ 2500 लोग हैं, जो प्रदेश को चला रहे हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि कथा वाचन को जिन्होंने व्यवसाय बना लिया, उन्हीं के कारण इटावा में कथा वाचन के अपमान की घटना हुई है। अगर पीडीए समाज से इतना ही परहेज है तो वर्चस्ववादी लोग घोषित कर दें कि पीडीए परिवार की दक्षिणा कभी स्वीकार नहीं करेंगे। जिस तरह से दावा करते हैं कि धारा 370 खत्म की, उसी तरह से देश में कानून लेकर आएं कि कथा वाचन का काम वर्चस्ववादी ही कर सकते हैं और कोई नहीं कर सकता है। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रभुत्ववादी लोग कभी घर को और कभी मंदिर को गंगाजल से धुलवाकर पीडीए समाज को अपमानित करते हैं। कथा वाचकों पर हमला कर वर्चस्ववादी लोग अब तो सीमा लांघ गए हैं। उन पर पेशाब करा रहे हैं और पिटाई कर रहे हैं। भाजपा राज में पीडीए समाज को हेय दृष्टि से देखा जाता है। देश की सर्वोच्च कुर्सी पर बैठी देश की राष्ट्रपति के साथ भी कभी अपमान हुआ था। भाजपा सरकार में अन्याय, अत्याचार की घटनाएं कोई एक-दो नहीं अनगिनत हैं। इससे पहले राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन ने कहा कि पिछड़ी और दलित जाति के कथा वाचकों को जानबूझकर अपमानित किया गया। इस अवसर पर राजेंद्र चौधरी भी मौजूद रहे।

निष्कासन के बाद सपा सुप्रीमो पर बरसे विधायक राकेश प्रताप

सपा से निष्कासित विधायक राकेश प्रताप सिंह अब लगातार समाजवादी पार्टी और नेतृत्व पर सवाल खड़े कर रहे हैं। बुधवार को उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी करते हुए सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने राज्यसभा व विधान परिषद सदस्य के चयन को लेकर पुराने घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए पूछा कि अतीत के पैकेज से भी अब पर्दा हटना चाहिए। राकेश प्रताप ने पूछा कि जब सपा सत्ता में थी तब श्री सेठ नाम के एक व्यक्ति को विधान परिषद भेजने के लिए कितना पैकेज लिया गया था और जब उनका नाम तत्कालीन राज्यपाल ने ठुकरा दिया था तो क्या बाद में पैकेज का आकार बढ़ाकर उन्हें राज्यसभा भेजा गया। सपा सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री जी ने राज्यसभा के जिन सम्मानित सदस्य महोदय के हवाले से पैकेज सम्बन्धी, अपने अनुभव का जिक्र वो दोहराते आजकल नजर आ रहे हैं। उचित होगा कि अतीत के भी पैकेज से पर्दा हटा दें तो अच्छा होगा।

'दलितों के संवैधानिक अधिकारों को निष्क्रिय कर रही भाजपा सरकार'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बसपा प्रमुख ने की केजीएमयू का नाम बदलकर छत्रपति शाहूजी महाराज रखने की मांग

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती पर उनके अनुयायियों को शुभकामनाएं दी है। इस दौरान उन्होंने दलित उत्पीड़न की घटनाओं को लेकर सरकार पर निशाना साधा और कहा कि आज इन वर्गों के लोगों को संवैधानिक अधिकारों को निष्क्रिय और निष्प्रभावी बनाने की कोशिश की जा रही है। बसपा सुप्रीमो ने इस दौरान अपनी सरकार में किए गए कामों का भी जिक्र किया।

बसपा सुप्रीमो ने अपने अधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा- कोल्हापुर, महाराष्ट्र रियासत में दलितों को नौकरी में आरक्षण देने का क्रान्तिकारी कदम उठाकर भारत में आरक्षण के जनक के रूप में अमर हो जाने वाले राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज को आज उनकी जयंती पर शत्-शत् नमन व अपार श्रद्धा-सुमन अर्पित तथा उनके समस्त अनुयाइयों को हार्दिक बधाई एवं शुभमामनाएं। बसपा चीफ ने लिखा कि विशेषकर दलित व पिछड़े वर्गों में समय-समय पर जन्मे ऐसे महान संतों, गुरुओं व महापुरुषों में राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज के आदर-सम्मान में तथा उनकी प्रेरणादायी स्मृति को स्थाई बनाने के लिए यूपी में बी.एस.पी. की अब तक चार बार रही मेरी सरकारों में ऐतिहासिक महत्व के अनेकों कार्य किए गए हैं, जिसमें से प्रमुख हैं उनके नाम पर नया ज़िला, शिक्षण संस्थाओं आदि का नामकरण व भव्य स्थलों/स्मारकों आदि में उनकी प्रतिमा की स्थापना, किन्तु विशेष उल्लेखनीय है राजधानी लखनऊ में यूपी का पहला छत्रपति शाहूजी महाराज मेडिकल यूनिवर्सिटी स्थापित करके उसे तुरन्त चालू करना।

छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती पर किया नमन

मायावती ने कहा कि ऐसे समय में जबकि जाति के आधार पर सदियों से तोड़े व पछाड़े गए देश के खासकर दलितों, आदिवासियों व अन्य पिछड़े वर्ग के लोगों को आरक्षण के उनके संवैधानिक अधिकार को निष्क्रिय व निष्प्रभावी बनाकर, उनकी अपनी बीएसपी की सरकार व बहुजनों के शासक वर्ग बनने के अभाव में, उन्हें फिर से लाचार, मजबूर व गुलाम बनाने का षडयंत्र जारी है, राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज के मानवीय गुणों, न्याययुक्त सरकार व अन्यायमुक्त समाज की स्थापना में उनकी ऐतिहासिक भूमिका व उनकी स्मृतियों को संजोने व स्मरण करने का महत्व व्यापक जन व देशहित में और भी अधिक बढ़ जाता है।

सपा के द्वेषपूर्ण एवं जातिवादी रवैये को भाजपा ने भी नहीं सुधारा

दलित व पिछड़े वर्ग के बहुजनों व उनके आरक्षण के विरोधी रही समाजवादी पार्टी की सरकार द्वारा उसका नाम ज़बरदस्ती बदलकर किंग जार्ज मेकिडल यूनिवर्सिटी कर दिया गया है हालांकि उसी नाम से लखनऊ में मेडिकल कालेज काफी पहले से ही स्थापित है। उन्होंने लिखा कि दुखद है कि यूपी में सपा के बाद आयी भाजपा सरकार ने भी इतना लम्बा समय बीत जाने के बावजूद, अभी तक भी सपा के ऐसे घोर द्वेषपूर्ण एवं जातिवादी रवैये को, व्यापक जनहित में ज़रूरी बदलाव/सुधार नहीं किया है। अतः छत्रपति शाहूजी महाराज मेडिकल यूनिवर्सिटी का असली नाम जितनी जल्द बहाल हो उतना बेहतर।

यूपी पंचायत चुनाव में बेरोजगारी व कानून व्यवस्था का मुद्दा उठाएंगे: संजय सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आप नेता संजय सिह ने कहा कि यूपी में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। स्वास्थ्य सुविधाएं चौपट है। बेरोजगारी चरम पर है और सरकार कानून व्यवस्था के मुद्दे पर फेल हो चुकी है। आम आदमी पार्टी के नेता और सांसद सिंह ने बिजली समस्या सहित कई मुद्दों को लेकर सरकार पर निशाना साधा।

कहा कि आगामी पंचायत चुनाव यही समस्याएं हमारे मुद्दे रहेंगे। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने में कहा कि यूपी सरकार में शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र की उपेक्षा की जा रही है। यूपी में आगामी जिला पंचायत चुनाव पार्टी मजबूती से लड़ेगी। शनिवार को कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों का संकल्प (प्रशिक्षण) शिविर आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत घर-घर संपर्क अभियान चलाया जाएगा। साथ ही कहा कि बिजली कटौती और बिजली की दरों में बढ़ोतरी के मुद्दे पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आप का पहला लक्ष्य आगामी जिला पंचायत चुनाव में अपने समर्थित उम्मीदवारों को उतारना है। ललितपुर की एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि एक डॉक्टर के शराब के नशे में होने के कारण इलाज के अभाव में एक होमगार्ड की मौत हो गई। 27,000 विद्यालयों के बंद होने की अटकलों और केंद्र सरकार की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि पिछले छह महीनों में लगभग 8 लाख बच्चे कक्षा 5 तक की शिक्षा से वंचित हो जाएंगे।

आप यूपी में संगठन को मजबूत करेगी आप

यूपी में अगले वर्ष होने वाले पंचायत चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी संगठन को मजबूत करने में जुट गई है। इसके लिए एक स्पेशल टीम 101 का निर्माण किया गया है। ये जानकारी आप सांसद संजय सिंह ने दी। आप सांसद ने कहा कि प्रदेश में संगठन विस्तार के लिए 11 जुलाई से हर घर संपर्क अभियान शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे लिए पंचायत चुनाव पहला लक्ष्य है। इसके लिए घर घर जाएंगे।

हेट स्पीच मामले में अब्बास अंसारी को कोर्ट से झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। मऊ के सदर विधायक अब्बास अंसारी को हेट स्पीच मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से झटका लगा है। हाईकोर्ट ने उनकी याचिका को निष्फल घोषित करते हुए खारिज कर दी है और मामले में हस्तक्षेप करने से इन्कार कर दिया है। न्यायमूर्ति समित गोपाल की एकल पीठ ने यह आदेश दिया।

अब्बास ने आरोप लगाया था कि हेट स्पीच की सीडी को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। उन्होंने मऊ की एमपी-एमएलए कोर्ट में पुलिस की ओर से पेश की गई हेट स्पीच से संबंधित ऑडियो की फॉरेंसिक रिपोर्ट और सीडी को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। याचिका में विलंबित चरण में दाखिल सीडी व फॉरेंसिक रिपोर्ट पर विचार न करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। शासकीय अधिवक्ता ने दलील दी कि संबंधित मामले में ट्रायल पूरा हो चुका है और संबंधित कोर्ट ने 31 मई, 2025 को आदेश पारित कर दिया है। वहीं, याची अधिवक्ता ने दलील दी कि निर्णय आने के बाद भी आवेदन में उठाए गए आधार अभी भी विचाराधीन हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

आपातकाल के लिए इंदिरा गांधी ने माफी मांगी थी: शरद पवार

» बोले, एनसीपीएसपी नेता आज भी पत्रकारों को धमकाया जाता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि देश में 50 साल पहले लगाया गया आपातकाल दुर्भाग्यपूर्ण था, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इसके लिए माफी मांगी थी। मुंबई में श्रमिक संघों द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में पवार ने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करना एक पवित्र कार्य है और लोगों को आज भी इनकी रक्षा के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है।

पवार ने याद दिलाया कि समाजवादी दिग्गजों जॉर्ज फर्नांडिस, चंद्रशेखर और मधु दंडवते से परामर्श के बाद 1978 में महाराष्ट्र में सरकार में परिवर्तन (कांग्रेस के नेतृत्व में) किया गया और वह मुख्यमंत्री बने। केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार का जिक्र करते हुए पवार ने कहा कि मौजूदा सरकार की आलोचना को अस्वीकार्य माना जाता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''आज हमें सावधान रहना होगा। आज भी मीडिया में सरकार की आलोचना को अच्छा नहीं माना जाता। पत्रकारों को धमकाया जाता है। घोषित और अघोषित आपातकाल में फर्क होता है। उन्होंने आम नागरिकों से किसी भी कीमत पर संसदीय लोकतंत्र को संरक्षित और सुरक्षित रखने के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया।

चुनाव आयोग का बड़ा फैसला!

वोटर को देना होगा जन्म स्थान का प्रूफ

» बिहार से होने जा रही शुरुआत

» क्या करना होगा वोटर को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देशभर के वोटर लिस्ट में गलती से शामिल अवैध प्रवासियों को हटाने के उद्देश्य से लिए चुनाव आयोग ने एक बड़ा फैसला लिया है। आयोग ने नए आवेदकों के साथ-साथ मौजूदा मतदाताओं (जो 2003-04 में किए गए अंतिम विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद नामांकित हुए हैं) के लिए यह अनिवार्य कर दिया है कि वे एक स्व-सत्यापित घोषणा प्रस्तुत करें कि वे भारतीय नागरिक हैं।

ऐसे में वोटरों को अपने जन्मस्थान का प्रूफ देना होगा। इसके लिए चाहे जन्म से या पंजीकरण/प्राकृतिककरण से, और इसे जन्म की तारीख और स्थान के दस्तावेजी सबूत या पंजीकरण/ प्राकृतिककरण के प्रमाण पत्र के साथ साबित करना होगा। इसकी शुरुआत बिहार चुनाव से होगी। बिहार के लिए एसआईआर आज से शुरू होगा। बिहार में इस साल के अंत में चुनाव होने हैं।

बिहार के सभी अन्य मतदाताओं को पहले से भरे गए गणना फॉर्म के अलावा यह घोषणा भी प्रस्तुत करनी होगी कि वे 18 वर्ष से अधिक आयु के हैं और संबंधित विधानसभा क्षेत्र/संसदीय क्षेत्र (एसी/पीसी) के सामान्य निवासी हैं। साथ ही 11 पात्र दस्तावेजों के माध्यम से अपनी नागरिकता की स्थिति और प्रमाण सूचीबद्ध करना होगा। प्रस्तुत किए गए दस्तावेज को चुनाव आयोग के पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। नागरिकता अधिनियम और नियमों के प्रावधानों के अनुसार, घोषणापत्र में नए और स्थानांतरित मतदाताओं को यह घोषित करना होगा कि क्या वे 1 जुलाई, 1987 से पहले भारत में पैदा हुए थे। इस स्थिति में उन्हें अपनी जन्म तिथि और जन्म स्थान को प्रमाणित करने के लिए 11 दस्तावेजों की सूची में से चुनना होगा।

यदि वे 1 जुलाई, 1987 और 2 दिसंबर, 2012 के बीच भारत में पैदा हुए हैं, तो उन्हें अपने पिता या माता के लिए सूचीबद्ध दस्तावेज़ भी प्रदान करना होगा। यदि वे 2 दिसंबर, 2004 के बाद पैदा हुए हैं, तो उन्हें अपने और अपने माता-पिता के जन्म तिथि और जन्म स्थान का प्रमाण देना होगा। यदि माता-पिता में से कोई एक गैर-भारतीय है, तो उन्हें अपने जन्म के समय माता-पिता के वैध पासपोर्ट और वीज़ा की एक प्रति प्रदान करनी होगी।

घोषणापत्र में यह भी कहा गया है कि यदि पात्र मतदाता या आवेदक का जन्म भारत के बाहर हुआ है तो उसे विदेश में स्थित भारतीय मिशन द्वारा जारी जन्म पंजीकरण का प्रमाण संलग्न करना होगा; या यदि पंजीकरण/प्राकृतिकरण द्वारा प्राप्त किया गया है तो उसे भारतीय नागरिकता के पंजीकरण का प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा।

चुनाव आयोग का ऐतिहासिक कदम

चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि यह एक ऐतिहासिक कदम है। अनुच्छेद 326 के अनुसार, आज से केवल 18 वर्ष से अधिक आयु के भारतीय नागरिक और सामान्य निवासी ही मतदान कर सकते हैं। एसआईआर दिशानिर्देशों के अनुसार, सभी मौजूदा मतदाताओं के लिए निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी द्वारा पहले से भरा हुआ गणना फॉर्म मुद्रित किया जाएगा। इसे बूथ स्तर के अधिकारी द्वारा घर-घर जाकर वितरित किया जाएगा। फॉर्म में अपडेट की गई फोटो, जन्म तिथि, आधार (वैकल्पिक), मोबाइल नंबर और माता-पिता/पति या पत्नी का नाम और ईपीआईसी नंबर जैसे कॉलम होंगे।

आखिरी बार 2004 में हुआ था

बीएलओ इन फॉर्म और दस्तावेजों को बाद में घर-घर जाकर एकत्र करेगा। मतदाता/आवेदक इन्हें ईसीआईएनईटी ऐप के माध्यम से भी अपलोड कर सकते हैं। फॉर्म की जांच ईआरओ/सहायक ईआरओ द्वारा की जाएगी और प्रस्तावित मतदाता की पात्रता के बारे में संदेह होने पर, ईआरओ/एईआरओ एक फील्ड जांच करेंगे। इसके बाद अंतिम रोल प्रकाशित होने से पहले उसके शामिल होने/निष्कासन पर एक आदेश पारित करेंगे। इस तरह के विशेष गहन संशोधन 1952 से अब तक 13 बार किए जा चुके हैं, जिनमें से आखिरी बार 2004 में हुआ था।

चुनाव आयोग के आदेश में क्या है?

चुनाव आयोग ने मंगलवार को एक आदेश में कहा जनवरी 2003 में प्रकाशित रोल ड्राफ्ट रोल के रूप में काम करेगा। शेष भारत के लिए कार्यक्रम उचित समय पर अलग से आदेश दिया जाएगा। आदेश में, चुनाव आयोग ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21 के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, मतदाता सूची की अखंडता की रक्षा के लिए अपने संवैधानिक जनादेश (अनुच्छेद 326 के तहत) के निर्वहन में देश भर में एसआईआर का आदेश दिया। 2003 की बिहार मतदाता सूची में शामिल लोगों से कोई भी दस्तावेज नहीं लिया जाएगा, सिवाय मतदाता सूची के अंश के। चुनाव आयोग ने कहा कि ईआरओ 2003 की मतदाता सूची को पात्रता के प्रमाणिक साक्ष्य के रूप में मानेंगे, जिसमें नागरिकता की धारणा भी शामिल है, जब तक कि उन्हें कोई अन्य इनपुट न मिले।

बिहार में 'दामाद आयोग' को लेकर खींचतान

राजनीतिक नियुक्तियां बनीं विवाद, उठने लगे विरोध के सुर

» बिहार में राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर गहराता जा रहा है विवाद

» चुनाव से पहले मुद्दा बनाने की कोशिश में तेजस्वी यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार में इन दिनों कई आयोगों में हुई राजनीतिक नियुक्तियां राजनीतिक विवाद का विषय बनी हुई हैं। आजेडी नेता तेजस्वी यादव ने उसे चुनाव से पहले मुद्दा बनाने की कोशिश की है। उन्होंने इसे 'दामाद आयोग' का नाम दिया है।

जीतन मांझी और चिराग पासवान के रिश्तेदारों के अलावा जेडीयू नेता और राज्य सरकार में मंत्री अशोक चौधरी के रिश्तेदार को भी इसमें जगह मिली है। पलटवार करते हुए जीतन मांझी ने भी तेजस्वी यादव को परिवारवाद पर घेरने की कोशिश की। लेकिन इन आरोप-प्रत्यारोपों के बीच खुद हृ्द के अंदर भी इन नियुक्तियों को लेकर असंतोष के सुर सुनाई दे रहे हैं। खासकर, एनडीए नेताओं का एक वर्ग इस पर खफा है। वह इस फैसले का बचाव करने के मूड में नहीं है। ये नेता मानते हैं कि भले तेजस्वी यादव परिवारवाद के प्रतीक हैं, लेकिन उस कारण इस नियुक्ति को सही नहीं ठहरा सकते हैं। ये नेता अशोक चौधरी के उस बयान से भी नाराज हैं जिसमें उन्होंने कहा कि उनके दामाद को ऋस्र कोटे से यह राजनीतिक नियुक्ति मिली है।

चिराग को लेकर चर्चा का दौर जारी

बिहार में चिराग पासवान को लेकर चर्चा का दौर जारी है। उनके तेवर को लेकर एनडीए में गहमागहमी है तो महागठबंधन में उत्सुकता। सवाल यह पूछा जा रहा है कि क्या बीजेपी से उनके रिश्ते ठीक हैं? इस सिलसिले में बीजेपी के एक शीर्ष नेता ने पिछले दिनों अनौपचारिक मुलाकात में कहा कि पिछले कुछ दिनों से वह लगातार चिराग पासवान के संपर्क में हैं। बात और मुलाकात भी नियमित अंतराल पर होती रही है। फिर भी, उन्होंने ईमानदारी से स्वीकार किया कि उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि आखिर चिराग पासवान करना क्या चाहते हैं? वह इस बात से भी दूरी बना रहे थे कि उनके बदले हुए तेवर में बीजेपी की कोई भूमिका है। दरअसल, 2020 चुनाव में जब चिराग पासवान एनडीए से अलग होकर चुनाव लड़े थे, तब कहा गया था कि इसके पीछे कहीं न कहीं बीजेपी की ही शह है। यही कारण है कि नीतीश कुमार और चिराग पासवान के बीच कई महीनों तक सियासी रिश्ते ठीक नहीं थे। हालांकि, बीजेपी के इस शीर्ष नेता ने यह भी स्वीकार किया कि चिराग पासवान के तेवर संकेत जरूर दे रहे हैं कि उनके मन में कुछ खिचड़ी पक रही है।

अभी से सेटिंग

अब तक यही उम्मीद की जा रही थी कि लोकसभा में एक तिहाई महिला आरक्षण 2034 आम चुनाव से लागू होगा। लेकिन गृह मंत्री अमित शाह ने इस बीच कई मौकों पर दावा किया कि हर हाल में इसे अगले चुनाव, मतलब 2029 से ही लागू किया जाएगा। इसके बाद से ही राजनीतिक गलियारे में चर्चा का दौर शुरू हो गया है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

शुभांशु भारत के मान को और देंगे बड़ा आसमान

"अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला एक्सिओम मिशन-4 के तहत आइएसएस में पहला कदम रखते ही हर भारतीय का गौरव तो बढ़ने वाला ही है, यह भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान की बढ़ती क्षमताओं का प्रतीक भी होगा। छह बार टाले जाने के बाद शुभांशु शुक्ला ने तीन अन्य यात्रियों के साथ बुधवार को उड़ान भरी। वे करीब 28 घंटे की यात्रा के बाद गुरुवार को आइएसएस पहुंचेंगे। शुभांशु आइएसएस पर जाने वाले पहले भारतीय होंगे।"

41 साल बाद भारत फिर इतिहास रचने की ओर बढ़ गया है। भारत के शुभांशु शुक्ला इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आइएसएस) के लिए रवाना हो गए। बता दें शुभांशु मूलरूप से लखनऊ के रहने वाले हैं और सेना ग्रुप कैप्टन हैं। उनकी यह यात्रा करोड़ों देशवासियों की उम्मीदों के साथ भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई ऊंचाई देगा। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला एक्सिओम मिशन-4 के तहत आइएसएस में पहला कदम रखते ही हर भारतीय का गौरव तो बढ़ने वाला ही है, यह भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान की बढ़ती क्षमताओं का प्रतीक भी होगा। छह बार टाले जाने के बाद शुभांशु शुक्ला ने तीन अन्य यात्रियों के साथ बुधवार को उड़ान भरी। वे करीब 28 घंटे की यात्रा के बाद गुरुवार को आइएसएस पहुंचेंगे। शुभांशु आइएसएस पर जाने वाले पहले भारतीय होंगे। वहीं अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। शुक्ला से पहले राकेश शर्मा ने वर्ष 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेस क्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी। इस यात्रा के 41 साल के इंतजार के बाद अब यह पल आया है। याद रखा जाना चाहिए कि 20 जुलाई, 1969 को चांद पर पहला कदम रखते हुए नील आर्मस्ट्रांग ने कहा था, मनुष्य का एक छोटा-सा कदम मानव जाति के लिए लंबी छलांग है। आज यही कदम भारत भी तेजी से आगे बढ़ा रहा है। शुभांशु 14 दिन आइएसएस पर रहेंगे। वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अन्य भारतीय संस्थानों द्वारा डिजाइन किए गए 7 प्रयोग करेंगे। ये प्रयोग माइक्रोग्रैविटी (कम गुरुत्वाकर्षण) में जैविक, कृषि, मानव स्वास्थ्य और जीवों पर असर से जुड़े हैं और भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों के लिए महत्वपूर्ण होंगे। इसके साथ ही नासा के 5 प्रयोग में भी वे शामिल होंगे। भारत 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने और 2040 तक चंद्रमा पर इंसानों को भेजने के लिए मिशन गगनयान की घोषणा कर चुका है। शुभांशु की ट्रेनिंग और आइएसएस पर अनुभव गगनयान मिशन के लिए बहुत उपयोगी होगा। शुभांशु की ट्रेनिंग से हमारे यात्रियों की टीम को अंतरिक्ष में मानव सुरक्षा और मिशन सफलता के लिए जरूरी कौशल मिलेगा और मिशन गगनयान की तैयारियां बेहतर होंगी। मोटे तौर पर कहना होगा कि शुभांशु की यह यात्रा सिर्फ एक उड़ान ही नहीं है बल्कि भारतीय अंतरिक्ष अन्वेषण (एक्सप्लोरेशन) के एक नए युग में साहसपूर्वक कदम रखने का संकेत भी है। उम्मीद की जानी चाहिए कि यह मिशन भारत को वैज्ञानिक, तकनीकी, आर्थिक और सामाजिक मसलों पर फायदेमंद साबित होगा। इसके साथ ही भारत की अंतरिक्ष में बढ़ती भूमिका को मजबूत करेगा। निश्चित ही भारत को वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी यह अहम कदम है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

ट्रंप के दावों के बावजूद रुकेगा नहीं ईरान

पुष्परंजन

आप ईरान के ठिकानों पर कोऑर्डिनेटेड बमबारी करें, फिर घोषणा कर दें, कि इस्राइल-ईरान युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। यह अमेरिकी दादागिरी का दीगर रूप है। खुद की सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, 'ट्रुथ सोशल' पर डोनाल्ड ट्रम्प बोले, 'यदि ईरान के पास परमाणु हथियार है, तो आप शांति नहीं पा सकते।' ऐसे बोल-वचन इसलिए, ताकि पश्चिमी देश खुश हो जाएं। अमेरिकी सैन्य कार्रवाई अपरिहार्य और नैतिक रूप से उचित साबित हो। ये वही ट्रम्प हैं, जो बात-बात पर परमाणु बम की धमकी देने वाले पाकिस्तान के सेना प्रमुख को व्हाइट हाउस में दावत देते हैं। लेकिन, तोताचश्म पाकिस्तान ने बयान दिया, कि हम ईरान के साथ खड़े हैं। अगर, परमाणु क्षमता का आकांक्षी ईरान शांति का दुश्मन है, तो अमेरिका के पास लगभग 5,244 परमाणु हथियार हैं, जो कि इस्राइल के अघोषित शस्त्रागार में अनुमानित संख्या से दस गुना अधिक हैं। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु अधिकरण खुफिया के अनुसार, 'ईरान ने अभी तक परमाणु हथियार नहीं बनाया है।' ईरान परमाणु हथियारों के अप्रसार पर संधि का हस्ताक्षरकर्ता बना हुआ है।

इजरायल नहीं है। अमेरिका के पास 100 से अधिक देशों में 800 से अधिक सैन्य अड्डे हैं। इसकी तुलना चीन से करें, जो पड़ोसी क्षेत्रों में केवल एक विदेशी सैन्य अड्डे रखता है, या रूस, जो लगभग बीस सैन्य अड्डों का प्रबंधन करता है। यह वैश्विक स्थिरता का संकेत नहीं है। यह एक साम्राज्यवादी ढब है। पूरी दुनिया का चौधरी बने रहने की लिप्सा। विदेश संबंध परिषद के अनुसार, 'इस समय मध्य पूर्व में कम से कम 19 अमेरिकी मिलिटरी बेस हैं। इनमें से आठ स्थायी सैन्य ठिकाने हैं।' बहरीन, मिस्र, इराक, जॉर्डन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में बनाए अमेरिकी सैन्य ठिकाने हटवाने की हिम्मत वहां की कठपुतली सरकारें नहीं करतीं। अमेरिका ने पूरे मिडल ईस्ट में लगभग 40,000 सैनिक तैनात किये हैं। कतर में 1996 में निर्मित अल उदीद एयरबेस मध्य पूर्व का सबसे बड़ा अमेरिकी सैन्य अड्डा है।

यह ईरान द्वारा लक्षित स्थलों में से एक था। इस बेस पर अमेरिकी सेंट्रल कमांड का क्षेत्रीय मुख्यालय है, जहां 11,000 से अधिक अमेरिकी और गठबंधन सेना के सदस्य रहते हैं। यहां जो कुछ ईरानी हमला हुआ, ट्रम्प ने उसका मखौल उड़ाया। बहरीन में अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े की तैनाती है, जिसमें लगभग 9,000 सैन्य कर्मी और नागरिक कर्मचारी शामिल हैं। इराक में लगभग 2,500 अमेरिकी सैनिक हैं। 3 जनवरी, 2020 को ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या के प्रतिशोध में अल-असद एयरबेस अमेरिकी बेस को ईरान ने निशाना बनाया था। वर्ष 2023 से ईरान समर्थित हौथी आतंकवादी समूह लाल सागर और अदन की खाड़ी में वाणिज्यिक जहाजों पर हमले कर रहे हैं, जिसमें अमेरिकी जहाजों पर हमले भी शामिल हैं। इराक में तेहरान समर्थित शिया मिलिशिया, हिजबुल्लाह अलग से एक्टिव हैं। तो क्या ट्रम्प के 'सीज़ फायर' बोल भर देने से बंदूकें गरजनी बंद हो जायेंगी? इस सच से अमेरिकन्स और इस्राइली वाकिफ हैं कि अकेला ईरान है, जिसके 'हमास', 'हिज्बुल्लाह', 'इस्लामिक जिहाद' जैसे प्रॉक्सी मिलिटेंट्स, पूरे मिडल ईस्ट में पसरे हुए हैं। सऊदी अरब और यूएई जैसे प्रमुख 'स्विंग स्टेट' कूटनीतिक समाधान की कोशिश में हैं। सऊदी अरब, मिस्र, इराक, जॉर्डन सहित अधिकांश अरब राज्यों ने ईरान पर इस्राइल के हमलों की निंदा की है, ताकि तेहरान को इन पर भरोसा हो। ट्रम्प ने ऐसी प्रतिक्रिया सोची नहीं थी। युद्धविराम की तत्काल घोषणा की सबसे बड़ी वजह यह भी है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के प्रतिनिधि हुसैन शरीयतमादारी ने कट्टरपंथी कायहान अखबार से कहा, 'अब हमारी बारी है। हम बिना समय बर्बाद किए, अमेरिकी, ब्रिटिश, जर्मन और फ्रांसीसी जहाजों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह बंद करेंगे।

होर्मुज जलडमरूमध्य के बरास्ते, वैश्विक तेल और गैस का पांचवां हिस्सा दुनियाभर को सप्लाई होता है, यह यदि बंद हुआ, तो विकल्प क्या है? सबसे व्यवहार्य विकल्प सऊदी अरब के बरास्ते ईस्ट-वेस्ट पेट्रो पाइपलाइन है, जो लाल सागर तक तेल पहुंचा सकती है। अन्य विकल्पों में इराक पाइपलाइन और ओमान की खाड़ी में फुजैराह से जोड़ने वाली पाइपलाइनें शामिल हैं।

यूरोपीय नेताओं की भृकुटियां इससे तन गई हैं। उन्हें लगता है, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को गद्दी से उतार देना अंतिम उपाय है। दरअसल, अमेरिकी हमलों ने एक बार फिर से अयातुल्ला अली खामेनेई की जड़ों को मज़बूत कर दिया है। ईरान की नई पीढ़ी उनकी रूढ़िवादी और बुर्कापरस्त नीतियों का विरोध कर रही थी। जो युवा तेहरान की सड़कों पर सर्वोच्च नेता के खिलाफ मुट्ठी तानकर खड़े थे, वही चेहरे खामेनेई के समर्थन में खड़े हैं।

आत्मनिर्भरता से रक्षा निर्यातक बनने के बीच चुनौती

डॉ. शशांक द्विवेदी

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जहां रूस-यूक्रेन, इस्राइल-हमास और इस्राइल-ईरान जैसे युद्ध चल रहे हैं, वहीं भारत-पाकिस्तान के बीच 'ऑपरेशन सिंदूर' ने भी सैन्य तैयारी की गंभीरता को रेखांकित किया है। ऐसे माहौल में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग पर विश्व का ध्यान केंद्रित हुआ है। भारत ने हाल के वर्षों में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। आयातक से निर्यातक देश बनने की ओर बढ़ता भारत अब वैश्विक मंच पर एक मजबूत और विश्वसनीय रक्षा साझेदार के रूप में उभर रहा है। 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने वाली सरकारी नीतियों ने देश के रक्षा निर्माण और निर्यात को गति दी है। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत का रक्षा निर्यात वित्तीय वर्ष 2017-18 में मात्र 1,521 करोड़ रुपये था, जो 2023-24 में बढ़कर 16,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया। यह लगभग 950 प्रतिशत की वृद्धि है, जो यह दर्शाता है कि भारत अब रक्षा निर्माण और निर्यात के क्षेत्र में मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और यूरोप के 85 से अधिक देशों को रक्षा उत्पादों का निर्यात किया है। निर्यात किए जाने वाले प्रमुख रक्षा उत्पादों में आर्टिलरी गन सिस्टम्स (धनुष) आकाश मिसाइल प्रणाली, राडार सिस्टम्स (स्वाति राडार), गश्ती नौकाएं और मिसाइल बोट्स, डोर्नियर एयरक्राफ्ट, 'ध्रुव', बुलेटप्रूफ जैकेट्स, हेलमेट्स, स्मॉल आर्म्स और गोला-बारूद, ड्रोन, यूएवी आदि शामिल हैं। सरकार ने रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं मसलन रक्षा उत्पादन नीति, निजी कंपनियों को प्रोत्साहन, विदेशों में रक्षा अटेचेज़ की नियुक्ति, सिंगल विंडो क्लियरेंस, डिफेंस एक्सपो जैसे अंतर्राष्ट्रीय आयोजन। हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड, भारत डायनामिक्स लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड जैसे सार्वजनिक उपक्रमों के साथ-साथ टाटा, एल एंड टी, भारत फोर्ज जैसी निजी कंपनियों ने डिफेंस निर्यात को नया आयाम दिया है।

सरकार ने लाइसेंसिंग प्रक्रिया को सरल बनाया है, जिससे निजी कंपनियां भी रक्षा उत्पादन और निर्यात में भाग ले सकें। रक्षा निर्यात से जुड़े लाइसेंस और परमिशन अब सिंगल विंडो सिस्टम से मिल रहे हैं। ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली भारत की रक्षा तकनीक की एक उत्कृष्ट उपलब्धि है। यह सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल भारत और रूस के संयुक्त उपक्रम 'ब्रह्मोस एयरोस्पेस' द्वारा विकसित की गई है। अब यह न केवल भारत की सैन्य क्षमताओं का एक अभिन्न हिस्सा है, बल्कि भारत के डिफेंस निर्यात की पहचान भी बन रही है। भारत ब्रह्मोस मिसाइल का निर्यात करने की दिशा में सफलतापूर्वक कदम बढ़ा चुका है। यह भारत और रूस के संयुक्त उपक्रम 'ब्रह्मोस एयरोस्पेस' द्वारा विकसित एक सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल है, जो दुनिया की सबसे तेज क्रूज़ मिसाइलों में से एक मानी जाती है। यह भारत के डिफेंस एक्सपोर्ट सेक्टर की एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, क्योंकि इससे भारत विश्व के चुनींदा मिसाइल निर्यातक देशों की सूची में शामिल हो गया है। जनवरी, 2022 में, भारत ने फिलीपींस के साथ लगभग 375 मिलियन डॉलर (करीब 2700 करोड़ रुपये) का सौदा किया। इस सौदे के तहत भारत शिप-लॉन्च ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम की आपूर्ति कर रहा है। यह भारत की पहली बड़ी मिसाइल निर्यात डील है।

इंडोनेशिया, थाईलैंड, मलेशिया, यूएई, ब्राजील, अर्जेंटीना आदि देशों को — (संभावित ग्राहक) भारत ने ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली की पेशकश की है। ब्रह्मोस के 'लैंड, शिप और एयर वर्ज़न' को लेकर इन देशों में रुचि जताई गई है। ब्रह्मोस निर्यात भारत की तकनीकी और सामरिक क्षमताओं को दर्शाता है। ब्रह्मोस जैसे हाई-एंड हथियारों के निर्यात से भारत के डिफेंस एक्सपोर्ट को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिली है। साथ ही दक्षिण चीन सागर और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भारत की स्थिति मजबूत होती है। इससे 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' की वैश्विक छवि निखर रही है।

भारत का लक्ष्य है कि वह 2047 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बने और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग इसमें एक प्रमुख स्तंभ बने। रक्षा निर्यात को बढ़ावा देना न केवल विदेशी मुद्रा कमाने का जरिया है, बल्कि यह भारत की वैश्विक रणनीतिक स्थिति को भी मजबूत करता है। इससे भारत की 'सॉफ्ट पॉवर' और 'स्ट्रैटेजिक पावर' दोनों को बढ़ावा मिलता है। भारत को आने वाले वक्त में वैश्विक प्रतिस्पर्धा, तकनीकी आवश्यकताओं और लॉजिस्टिक्स जैसी चुनौतियों से जूझना होगा। कारगर रणनीतियां और निजी क्षेत्र की सक्रियता इस राह को आसान बना सकती हैं। इससे निपटने के लिए भारत को अनुसंधान एवं विकास में निवेश, रक्षा स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन और वैश्विक साझेदारियों को मजबूत करना होगा। भारत का डिफेंस सेक्टर अब आत्मनिर्भरता से आगे बढ़कर वैश्विक योगदानकर्ता बनने की ओर अग्रसर है। भविष्य में भारत रक्षा उत्पादों के लिए विश्व का प्रमुख निर्यातक बन सकता है जो न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि रणनीतिक रूप से भी देश को वैश्विक मानचित्र पर नई ऊंचाई प्रदान करेगा।

मेकअप में इन प्रोडक्ट्स का करें इस्तेमाल

त्वचा की देखभाल और उसकी सुंदरता में चार चांद लगाने के लिए बाजार में तरह-तरह के स्किन केयर और मेकअप प्रोडक्ट होते हैं। लोगों को उनके स्किन टाइप के मुताबिक स्किन केयर प्रोडक्ट और टोन के हिसाब से मेकअप प्रोडक्ट्स का उपयोग करना चाहिए। मेकअप पसंद करने वाली लड़कियों के पास कई तरह के मेकअप होते हैं लेकिन जो लड़कियां मेकअप करना तो चाहती हैं लेकिन उन्हें मेकअप को लेकर अधिक जानकारी नहीं होती, उन्हें अपने मेकअप किट में कुछ खास प्रोडक्ट्स को शामिल करना चाहिए। वहीं बहुत सारी लड़कियां सफर के दौरान खूब सारा मेकअप का सामान अपने लगेज में पैक कर लेती हैं, हालांकि इस्तेमाल के नाम पर वह सिर्फ चार-पांच प्रोडक्ट्स का ही उपयोग करती हैं। अगर आप जल्दी और आसान मेकअप करना चाहती हैं तो केवल पांच मेकअप प्रोडक्ट्स की मदद से ही खूबसूरत और फ्रेश लुक पा सकती हैं। हर लड़की के मेकअप किट में ये पांच प्रोडक्ट्स होने चाहिए, जिसे वह आसानी से अपने हैंडबैग में भी कैरी कर सकती हैं।

लिपस्टिक या लिप टिंट

मेकअप स्टेप का सबसे मुख्य पार्ट होता है होंठों की खूबसूरती को बढ़ाना। चेहरे की रंगत और फ्रेशनेस के लिए होंठ पर लिपस्टिक या लिप टिंट लगा सकते हैं। आप अपनी पसंद की कोई लिपस्टिक होंठ का शेप देते हुए लगाएं। लिप टिंट या ग्लॉस का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। लिप टिंट को आप आसानी से लिपस्टिक की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। ये आपके लिप्स को काफी प्यारा लुक देगा। इसका रंग आप अपनी पसंद से चुन सकती हैं।

ब्लश

चेहरे पर रेडनेस लाने के लिए ब्लश का इस्तेमाल किया जाता है। अगर आपके पास ब्लश नहीं है तो लिप टिंट की मदद से आप ब्लश लगा सकती हैं। ये आपके मेकअप को पूरा करेगा। हल्के गुलाबी गाल आपकी चेहरे पर अलग निखार लाते हैं। इसके लिए लिक्विड या पाउडर ब्लश को अपने मेकअप किट में शामिल करें। लिप टिंट के जरिए भी ब्लश लगा सकते हैं। गालों पर गुलाबी या हल्का लाल रंग लगा सकती हैं।

काजल, आईलाइनर या मस्कारा

आंखों को डिफाइन करने और उभारने के लिए काजल और आईलाइनर का इस्तेमाल करते हैं। खूबसूरत आंखें आपके चेहरे की सुंदरता को बढ़ा सकती हैं। इसे लगाने के लिए वॉटरलाइन काजल लगाएं या ऊपर पलकों पर आई लाइनर लगाकर आंखों को आकर्षक बना सकते हैं। मस्कारा पलकों को घना और लंबा दिखाने के लिए होता है। आप ऊपरी और निचली पलकों पर मस्कारा के दो कोट लगाएं। इससे आंखें बड़ी और ब्राइट दिखेंगी।

कंसीलर

अगर आपके चेहरे पर डार्क सर्कल, पिंपल्स या दाग हैं तो उन्हें कंसीलर की मदद से आसानी से छुपाया जा सकता है। कंसीलर को आंखों के नीचे, नाक के किनारे और जहां जरूरत हो, वहां हल्के हाथ से कंसीलर लगाकर अच्छे से ब्लेंड कर लें।

बीबी क्रीम या फाउंडेशन

यह मेकअप का बेस होता है। चेहरे की टोन को समान करने और दाग-धब्बे छुपाने के लिए बीबी क्रीम या फाउंडेशन का उपयोग किया जाता है। अगर आपको रोजाना मेकअप करना होता है तो बीबी क्रीम लगा सकती हैं। इसे चेहरे पर लगाने का एक सही तरीका होता है। चेहरे पर छोटे-छोटे डॉट्स में बीबी क्रीम या फाउंडेशन लगाएं। फिर उंगलियों, ब्रश या ब्यूटी ब्लेंडर से अच्छे से ब्लेंड कर लें।

हंसना मना है

दिल की बात दिल में मत रखना, जो पसंद हो उसे आईएलयू कहना, अगर वो गुस्से में आ जाये तो डरना मत, राखी निकालना और कहना, प्यारी बहना मिलती रहना।

इतनी हसीन है आप, खुद को दुनिया की नजरों से बचाया करो! आंखों में काजल लगाना काफी नहीं! गले में लिंबु-मिर्ची भी लटकाया करो।

वाईफ- अगर मैं माउंट एवरेस्ट पर चढ़ू तो आप मुझे क्या दोगे? हसबैंड- पगली, इसमें पूछने वाली क्या बात है। धक्का।

मक्खी गंजे के सर पर बैठी थी, दुसरी ने कहा वाह.! क्या घर मिला है तुझे। पहली मक्खी : नहीं रे, अभी तो सिर्फ प्लॉट खरीदा है..!

अपना बच्चा रोये तो दिल में दर्द होता है, और दुसरे का रोये तो सिर में। अपनी बीवी रोये तो सिर में दर्द होता है, और दुसरे की रोये तो दिल में।

मेरी बात गौर से सुनना, अगर कोई आपको पागल कहे तो दुखी मत होना, अफ़सोस भी मत करना और रोना भी मत, बस आराम से चेयर पर बैठ कर सोचना की, इसे पता कैसे चला।

कहानी | मृत्यु एक अटल सत्य है

राधेश्याम नामक युवक स्वभाव का बड़ा ही शांत एवम सुविचारों वाला व्यक्ति था। उसका छोटा सा परिवार था जिसमें उसके माता-पिता, पत्नी एवम दो बच्चे थे। सभी से वो बेहद प्यार करता था। इसके अलावा वो कृष्ण भक्त था और सभी पर दया भाव रखता था। जरूरतमंद की सेवा करता था। उसके इन्ही गुणों के कारण श्री कृष्ण उससे बहुत प्रसन्न थे और सदैव उसके साथ रहते थे। और राधेश्याम अपने कृष्ण को देख भी सकता था और बाते भी करता था। इसके बावजूद उसने कभी ईश्वर से कुछ नहीं मांगा। एक दिन राधेश्याम के पिता की तबियत अचानक ख़राब हो गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया। उसने सभी डॉक्टर्स के हाथ जोड़े। अपने पिता को बचाने की मिन्नते की। लेकिन सभी ने उससे कहा कि वो ज्यादा उम्मीद नहीं दे सकते। तभी राधेश्याम को कृष्ण का ख्याल आया और उसने अपने कृष्ण को पुकारा। कृष्ण दौड़े चले आये। राधेश्याम ने कहा-मित्र! तुम तो भगवान हो मेरे पिता को बचा लो। कृष्ण ने कहा: मित्र! ये मेरे हाथों में नहीं हैं। इस पर राधेश्याम नाराज हो गया और कृष्ण से लड़ने लगा, तब भगवान कृष्ण ने उससे कहा- मित्र! मैं तुम्हारी मदद कर सकता हूं लेकिन इसके लिए तुम्हे एक कार्य करना होगा। राधेश्याम ने तुरंत पूछा कैसा कार्य? कृष्ण ने कहा- तुम्हे! किसी एक घर से मुट्ठी भर ज्वार लानी होगी और ध्यान रखना होगा कि उस परिवार में कभी किसी की मृत्यु न हुई हो। राधेश्याम ने कई दरवाजे खटखटायें। हर घर में ज्वार तो होती लेकिन ऐसा कोई नहीं होता जिनके परिवार में किसी की मृत्यु ना हुई हो। राधेश्याम को ऐसा एक भी घर नहीं मिला। तब उसे इस बात का अहसास हुआ कि मृत्यु एक अटल सत्य है। इसका सामना सभी को करना होता है। इससे कोई नहीं भाग सकता। और वो अपने व्यवहार के लिए कृष्ण से क्षमा मांगता हैं। थोड़े दिनों बाद राधेश्याम के पिता स्वर्ग सिधार जाते हैं। उसे दु:ख तो होता हैं लेकिन ईश्वर की दी उस सीख के कारण उसका मन शांत रहता हैं। दोस्तों इसी प्रकार हम सभी को इस सच को स्वीकार करना चाहिये कि मृत्यु एक अटल सत्य हैं उसे नकारना मुर्खता हैं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। धनार्जन सुगम होगा।

वृषभ — वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन — आज धन का निवेश न करें। शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है।

कर्क — लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वस में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

सिंह — रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

कन्या — अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं।

तुला — बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। बेचैनी रहेगी।

वृश्चिक — नई आर्थिक नीति बनेगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है।

धनु — बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मकर — आज धन का निवेश न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

कुम्भ — कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

मीन — आज राज्य के प्रतिनिधि सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी।

बॉलीवुड | अपकमिंग

सौरभ गांगुली की बायोपिक में दादा का रोल निभाएंगे राजकुमार राव

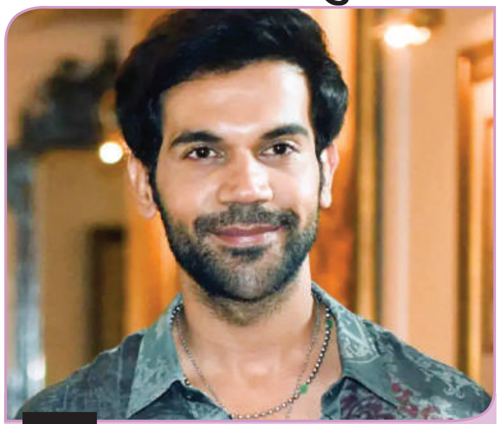

पिछले कुछ वक्त से भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी सौरव गांगुली की बायोपिक को लेकर चर्चाएं हो रही थीं। कभी बायोपिक बनने न बनने को लेकर कन्फ्यूजन था तो कभी दादा की भूमिका में कौन होगा, इसको लेकर असमंजस की स्थिति थी। लेकिन अब फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है और ये कंफर्म हुआ है कि सौरव गांगुली की बायोपिक बन रही है। साथ ही ये भी कंफर्म हो गया है कि राजकुमार राव इसमें दादा यानी कि सौरव गांगुली की भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेता राजकुमार राव ने ये कंफर्म किया कि वो पूर्व भारतीय कप्तान की बायोपिक में मुख्य भूमिका निभाएंगे। राजकुमार राव ने कहा, 'अब जब दादा ने यह कह दिया है, तो मुझे भी इसे आधिकारिक रूप से घोषित कर देना चाहिए। हां, मैं उनकी बायोपिक कर रहा हूं और दादा की भूमिका निभा रहा हूं। मुझे इस रोल के लिए काफी घबराहट भी हो रही है। क्योंकि यह एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, लेकिन यह बहुत मजेदार होने वाला है।'

इस दौरान राजकुमार राव ने फिल्म के लिए बंगाली सीखने में आने वाली दिक्कतों का भी जिक्र किया। हालांकि, उनके लिए ये उतना मुश्किल नहीं रहा, क्योंकि उनकी पत्नी पत्रलेखा भी एक बंगाली हैं। इसलिए वो अपनी पत्नी से बंगाली सीखते हैं। हालांकि, रोल के लिए खुद को तैयार करना राजकुमार के लिए लिए मुश्किल रहा। इससे पहले इस साल की शुरुआत में खुद सौरव गांगुली ने अपनी बायोपिक को लेकर बात की थी और ये बताया था कि राजकुमार राव उनकी भूमिका निभाएंगे। हालांकि, इसके बाद बीच में तारीखों की दिक्कतों के चलते कुछ अटकलें भी लगी थीं। अब राजकुमार राव ने फिल्म की पुष्टि करते हुए अपने रोल को कंफर्म किया है। इस बायोपिक में सौरव गांगुली के व्यक्तिगत जीवन से लेकर उनके करियर तक के बारे में दिखाया जाएगा।

गलवान घाटी झड़प पर बन रही फिल्म में कर्नल का रोल निभाएंगे सलमान खान

सलमान खान की फिल्म सिकंदर बॉक्स ऑफिस पर अपना जलवा नहीं दिखा पाई। इसके बाद सलमान अपनी अपकमिंग फिल्म की तैयारी कर रहे हैं। उनकी यह फिल्म गलवान घाटी में भारत-चीन के बीच हुई झड़प पर आधारित है। इस फिल्म में अपना रोल निभाने के लिए सलमान खान ने तैयारी शुरू कर दी है। सलमान खान हर दिन कई घंटों की ट्रेनिंग कर रहे हैं।

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म का टाइटल तो अभी सामने नहीं आया है। लेकिन इस फिल्म में सलमान खान एक बड़े अफसर की भूमिका निभाएंगे। यह फिल्म शिव अरूर और राहुल सिंह के उपन्यास इंडियाज मोस्ट फियरलेस 3 पर आधारित है। फिल्म में कथित तौर पर सलमान खान कर्नल बिकुमल्ला का किरदार निभाएंगे। इस किरदार को निभाने के लिए सलमान खान आर्मी की ट्रेनिंग ले रहे हैं।

कर्नल बिकुमल्ला वही अफसर हैं, जिन्होंने गलवान घाटी झड़प के दौरान भारतीय सैनिकों का नेतृत्व किया था। उनका नाम संतोष बाबू है और वह 16 बिहार रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर थे। संतोष बाबू भारत-चीन झड़प के दौरान शहीद हो गए थे।

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया कर रहे हैं। खबरों की मानें तो जुलाई में सलमान खान का लुक फाइनल हो जाएगा और फिल्म की शूटिंग अगस्त में शुरू हो सकती है। सलमान खान इन दिनों अपनी बॉडी पर काम कर रहे हैं। वह फिल्म में रोल को निभाने के लिए मिलिट्री ट्रेनिंग ले रहे हैं। बताया यह भी जाता है कि फिल्म में युद्ध वाला हिस्सा लद्दाख में शूट होगा।

बॉलीवुड | मसाला

फिल्म के लिए एक्ट्रेस फाइनल

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म के लिए लीड एक्ट्रेस भी फाइनल हो गई है। इंडिया टुडे की एक खबर के मुताबिक फिल्म में सलमान खान के विपरीत चित्रांगदा सिंह को लिया गया है। यह पहली बार है, जब दोनों बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे। चित्रांगदा सिंह को हजारों ख्वाहिशें ऐसी के लिए जाना जाता है।

जल्द ही बड़े परदे पर वापसी करेंगे गोविंदा

गोविंदा अपनी नई फिल्म से पर्दे पर वापसी करने वाले हैं। गोविंदा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपनी एक वीडियो शेयर की है और इसमें अपनी अपकमिंग फिल्म के बारे में जानकारी दी है।

गोविंदा ने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में वह जींस और शर्ट पहन कर डांस कर रहे हैं। वह हवा में एक लाल कैप उछाल कर अपने सिर पर लगाते हैं और डांस करते हैं। इसके साथ ही वह चेहरे से जबरदस्त एक्सप्रेशन दे रहे हैं। गोविंदा ने वीडियो के कैप्शन में लिखा है अपनी अपकमिंग फिल्म दुनियादारी के लिए अभ्यास कर रहा हूं।

गोविंदा की अपकमिंग फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। उन्होंने यह भी नहीं बताया है कि फिल्म में उनके अलावा कौन से एक्टर या एक्ट्रेस होंगी। इस फिल्म की कहानी क्या है। हालांकि ये देखना दिलचस्प होगा कि गोविंदा हमारे लिए अपनी फिल्म में क्या नया ला रहे हैं? गोविंदा की वीडियो पर कई यूजर्स ने कमेंट किया है। एक यूजर ने लिखा है चलो तैयार हो जाओ। एक दूसरे यूजर ने लिखा है बॉस आज भी वही लचक है आपकी।

हाल ही में एक इंटरव्यू में गोविंदा की पत्नी सुनीता ने कहा था कि गोविंदा को काम नहीं मिल रहा है। उनके उम्र के कलाकारों को काम मिल रहा है। उनके बच्चे उन्हें स्क्रीन पर देखना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि गोविंदा ओटीटी पर काम नहीं करना चाहते हैं वह सिर्फ बड़े पर्दे पर काम करना चाहते हैं।

इससे पहले गोविंदा ने दावा किया था कि हॉलीवुड के निर्देशक जेम्स कैमरून ने उनसे फिल्म अवतार के लिए उनसे संपर्क किया था। उन्होंने यह भी दावा किया था कि निर्देशक ने उन्हें भारी भरकम फीस ऑफर की थी। हालांकि उन्होंने निर्देशक के ऑफर को ठुकरा दिया था। हालांकि इस बारे में गोविंदा की पत्नी सुनीता ने उर्फी जावेद के यूट्यूब चैनल पर कहा कि उन्हें इस बारे में नहीं पता।

अजब-गजब | यहां महिलाएं मनाती हैं सुवा नृत्य

सिर्फ छत्तीसगढ़ में होता है ऐसा नृत्य, जहां महिलाएं तोते और धान के साथ रचती हैं सांस्कृतिक चमत्कार!

कोरबा। भारत, परंपराओं का देश है, जहां आज भी अनेक प्रथाएं जीवित हैं, जबकि कुछ लुप्त होती जा रही हैं। इन परंपराओं का अपने-अपने क्षेत्रों में एक विशेष महत्व है। ऐसी ही एक छत्तीसगढ़ की परंपरा है सुवा नृत्य। सुवा का अर्थ है तोता। इस नृत्य को लेकर कई मान्यताएं प्रचलित हैं, आइए आज हम इस नृत्य के बारे में जानते हैं।

छत्तीसगढ़ में पारंपरिक रूप से कई लोक नृत्य आज भी प्रचलित हैं, जिनमें से एक सुवा नृत्य है। इस नृत्य में महिलाओं और युवतियों का समूह बांस की बनी टोकरी में धान रखकर उसमें मिट्टी का बना तोता रखता है। युवतियां और महिलाओं का समूह इस बांस की टोकरी को लेकर घूम-घूम कर सुवा नृत्य करता है। इस नृत्य को करते समय महिलाएं स्वयं ताली बजाकर सुवा गीत गाती हैं।

प्राचीन मान्यता है कि सुवा गीत नृत्य करने वाली महिलाएं जब गांव में किसानों के घर-घर जाती थीं, तब उन्हें नृत्य के उपहार स्वरूप पैसे या अनाज दिया जाता था। इस धन का उपयोग वे गौरा-गौरी के विवाह उत्सव में करती थीं। यह नृत्य न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह ग्रामीण जीवन की आस्था और विश्वास का भी प्रतीक है। सुवा नृत्य महिलाओं के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह उन्हें एक साथ आने, अपनी कला का प्रदर्शन करने और अपनी परंपराओं को जीवित रखने का अवसर प्रदान करता है।

विरासत का एक अभिन्न अंग है। यह नृत्य न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह ग्रामीण जीवन की आस्था और विश्वास का भी प्रतीक है। इसे संरक्षित और बढ़ावा देना हम सभी का कर्तव्य है। सुवा नृत्य के माध्यम से, हम अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए अपनी परंपराओं को जीवित रखते हैं। यह नृत्य कृषि संस्कृति से भी जुड़ा हुआ है। धान की फसल कटने के बाद, महिलाएं खुशी और आभार व्यक्त करने के लिए यह नृत्य करती हैं। इस नृत्य में प्रयुक्त होने वाले गीत और संगीत ग्रामीण जीवन की सरलता और सुंदरता को दर्शाते हैं।

ये पक्षी नहीं चमत्कार है, पल-पल बदलता है रंग, इसे कहा जाता है 'परिवर्तन बाज'

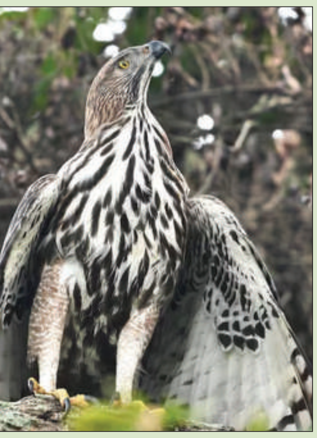

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में स्थित दुधवा नेशनल पार्क के जंगलों में पाया जाता है एक अनोखा पक्षी। आइए जानते है इसके बारे में परिवर्तनशील बाज-बाज दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में पाया जाता है। यह एक शिकारी पक्षी है और इसका निवास दुधवा नेशनल पार्क के घने जंगलों में होता है। परिवर्तनशील बाज-बाज एक मध्यम आकार का बाज है, जो अपने नाम के अनुसार रंग बदलने की क्षमता रखता है। यह पक्षी जंगलों में, विशेषकर घने वनों में पाया जाता है। इसका ऊपरी हिस्सा शुरुआत में भूरे रंग का होता है, उसके बाद सुनहरे रंग में और धीरे-धीरे यह कई अन्य रंगों में बदलता रहता है। यह ईगल अक्सर चुप रहता है और बहुत कम आवाज निकालता है। परिवर्तनशील बाज-ईगल आम तौर पर ऊपर से गहरे भूरे रंग के होते हैं और नीचे की तरफ हल्के सफेद रंग के दिखाई देते हैं। इनकी खासियत यह है कि ये अक्सर घने जंगलों और वन क्षेत्रों में पाए जाते हैं। यह शिकारी पक्षी मुख्य रूप से छोटे स्तनधारी, छोटे पक्षी, सरीसृप और अन्य छोटे जीवों का शिकार करता है।

यह पक्षी 10 से 14 सेंटीमीटर लंबी शिखा के लिए भी जाना जाता है। यह एक फुर्तीला और दक्ष शिकारी पक्षी है, जो घने जंगलों में शिकार करने के लिए विशेष रूप से अनुकूलित है। दुधवा नेशनल पार्क के जंगलों में पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों को देखने को मिलती हैं। यहां की जैव विविधता पक्षी प्रेमियों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है। देश-विदेश से सैलानी दुधवा के जंगलों में पक्षी अवलोकन और वन्यजीवों की झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में आते हैं।

2027 में आप गुजरात में बनाएगी सरकार

जीत का मार्जिन अद्भुत रहा: अरविंद केजरीवाल

» आप संयोजक बोले- नशा तस्करों को बख्शा नहीं जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब और गुजरात में उपचुनाव में मिली जीत के बाद आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली में समारोह आयोजित किया। आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुजरात-पंजाब की जनता का आभार जताया। उन्होंने कहा, पंजाब और गुजरात उपचुनाव में जीत के संदेश साफ है कि पंजाब में आप पर जनता का भरोसा बढ़ा है और गुजरात में बदलाव की बयार चल रही है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया, गुजरात प्रभारी गोपाल राय समेत आप के कई नेता मौजूद रहे।

अरविंद केजरीवाल ने लुधियाना पश्चिम से नवनिर्वाचित विधायक संजीव अरोड़ा और विसावदर के नव निर्वाचित विधायक गोपाल इटालिया को बधाई देते हुए कहा कि उम्मीद है कि संजीव अरोड़ा अपनी विधानसभा में जाकर मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ कंधे से कंधा मिलाकर पंजाब को तरक्की में और आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा, आप देश को साफ सुथरी राजनीति देकर परंपरागत राजनीति के सामने एक लंबी लकीर खींचने आई है। संजीव अरोड़ा और गोपाल इटालिया की पृष्ठभूमि बिल्कुल साफ-सुथरी है। साफ छवि के समाजसेवी लोग हैं। एक जमाने में कहा जाता था कि अच्छे लोग राजनीति में नहीं आने चाहिए, क्योंकि राजनीति उनके लिए नहीं है। लेकिन आप ने इस धारणा को तोड़ा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह का जीत का मार्जिन है, वह अद्भुत है। पंजाब में दो साल बाद चुनाव है। तीन साल से हमारी सरकार चल रही है। अरविंद केजरीवाल ने कहा, पंजाब में नशे के खिलाफ जो युद्ध छेड़ा गया है। गांव-गांव से, छोटे-छोटे परिवारों से हमें जो आशीर्वाद मिल रहा है, वह इसलिए है क्योंकि जिनके बच्चे नशे में डूब गए थे, वे अब बाहर आ रहे हैं। पूरे देश में नशा है, लेकिन पंजाब में जिस तरह नशे पर चोट की जा रही है, बड़े-बड़े तस्करों को पकड़ा जा रहा है, उनके खिलाफ बुलडोजर चलाए जा रहे हैं, मैसेज दिया जा रहा है कि चाहे कितना भी बड़ा नेता हो, नशे की तस्करी में शामिल होगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। पुरानी सरकारों ने पंजाब को नशे में धकेला, उनके लोग मंत्री रहते हुए सरकारी गाड़ियों में नशा बांटते थे, अपने घरों में अंतरराष्ट्रीय तस्करों को रखते थे, उनके खिलाफ अब कार्रवाई हो रही है।

विधायक संजीव अरोड़ा और नव निर्वाचित विधायक गोपाल इटालिया को दी जीत की बधाई

भाजपा का आप के साथ गुप्त गठबंधन बेनकाब : देवेंद्र यादव

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने आम आदमी पार्टी और भाजपा पर मिलकर दिल्लीवासियों को गुमराह करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी आप और उसके मुखिया अरविंद केजरीवाल को भाजपा का खुला संरक्षण प्राप्त है। दरअसल बहुचर्चित अस्पताल घोटाले की जांच से जैसे ही परतें खुलनी शुरू हुईं, तो आप और भाजपा के बीच का गुप्त राजनीतिक सौदा उजागर हो गया है। देवेंद्र यादव ने कहा, 2018-19 में स्वीकृत 24 अस्पतालों की परियोजनाओं में जानबूझकर लागत बढ़ाई गई, संसाधनों का दुरुपयोग हुआ और योजनाएं अधूरी छोड़ दी गईं। भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) की प्रारंभिक रिपोर्ट में इसकी पुष्टि हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस जब इस मुद्दे को लगातार उठा रही थी, तब कोई कार्रवाई नहीं हुई, लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा ने अब इस मामले को राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल करना शुरू किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में हार के बाद केजरीवाल पंजाब से पार्टी चला रहे थे, लेकिन अब भाजपा के संरक्षण में वे दोबारा दिल्ली में सक्रिय हो गए हैं। गुजरात के विसावदर उपचुनाव में आम आदमी पार्टी की जीत के पीछे भी भाजपा की रणनीति काम कर रही थी। उन्होंने कहा कि शराब घोटाले, कक्षा निर्माण घोटाले और अब अस्पताल घोटाले में केजरीवाल सरकार की संलिप्तता साबित हो चुकी है। उन्होंने मांग की कि इस घोटाले की जांच सिर्फ एसीबी से नहीं, बल्कि सीबीआई जैसी स्वतंत्र केंद्रीय एजेंसी से कराई जाए, ताकि दोषियों को बचने का मौका न मिले। उन्होंने आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल से नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देने की मांग करते हुए कहा कि जब पार्टी पर गंभीर आरोप हैं और सहयोगी जेल में हैं, तो उन्हें पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।

पंत ने हासिल की कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट रैंकिंग

» टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में बुमराह और ऑलराउंडर्स में जडेजा शीर्ष पर कायम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। आईसीसी ने बुधवार को ताजा टेस्ट रैंकिंग जारी कर दी है। भारत के आक्रामक विकेटकीपर ऋषभ पंत बल्लेबाजों की नवीनतम आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में दोनों पारियों में दो शतक लगाए थे। इसके अलावा शुभमन गिल की भी शीर्ष-20 बल्लेबाजों में एंट्री हो गई है।

टीम इंडिया को लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट में पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। 371 रन के लक्ष्य को इंग्लैंड ने बैजबॉल अंदाज में 82 ओवर में हासिल कर लिया। आईसीसी ने ताजा रैंकिंग इसके बाद ही जारी की है। 27 वर्षीय पंत से पहले जिम्बाब्वे के एंडी फ्लावर एक ही टेस्ट मैच में दो शतक लगाने वाले एकमात्र विकेटकीपर थे। पंत और गिल के अलावा यशस्वी जायसवाल चौथे स्थान पर काबिज हैं। यशस्वी ने भी लीड्स टेस्ट की पहली पारी में शतक जमाया था। टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने हेडिंग्ले टेस्ट में 14वीं बार पांच विकेट चटकाने के बाद शीर्ष स्थान पर अपना दबदबा कायम रखा है। बेन डकेट टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में पांच पायदान ऊपर आठवें स्थान पर पहुंच गए। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने लीड्स में बल्ले और गेंद दोनों से ठीकठाक प्रदर्शन किया था और वह टेस्ट ऑलराउंडरों की सूची में तीन पायदान ऊपर चढ़कर पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। टेस्ट ऑलराउंडर्स की सूची में भारत के नम्बर एक आलराउंडर्स रवींद्र जडेजा शीर्ष पर हैं।

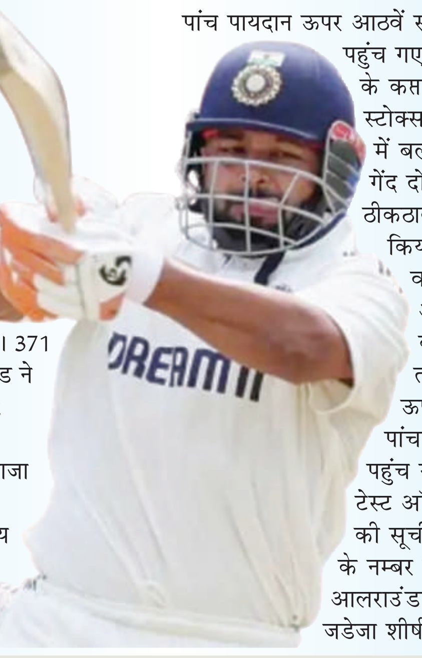

दूसरे टेस्ट मैच से पहले हर्षित राणा टीम से हुए रिलीज

लीड्स। भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से पहले युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को टीम से रिलीज कर दिया है। हर्षित भारत की 18 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं थे, लेकिन उन्हें पहले टेस्ट मैच से पूर्व कवर के तौर पर टीम में शामिल किया गया था। हर्षित भारतीय टीम के साथ लीड्स में मौजूद थे। हर्षित भारत ए टीम का हिस्सा थे और उन्होंने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट में हिस्सा लिया था। भारत को लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में हार का सामना करना पड़ा था। इंग्लैंड की परिस्थितियों में मुकेश कुमार और अंशुल कंबोज को हर्षित से बेहतर गेंदबाज माना जा रहा है लेकिन इन दोनों की जगह कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के इस गेंदबाज को तरजीह मिलने पर सवाल भी उठे थे।

2 मजदूरों की मौत के बाद भी नहीं जागी कंपनी

» केके स्पन कंपनी का लापरवाही का सिलसिला लगातार जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पिछले वर्ष सीवर सफाई के दौरान 2 मजदूरों की दर्दनाक मौत के बावजूद केके स्पन कंपनी ने अपनी कार्यशैली में कोई सुधार नहीं किया है। 4पीएम ने पूर्व में इस गंभीर लापरवाही पर खबर प्रकाशित की थी, जिसमें बताया गया था कि कंपनी बिना किसी सेफ्टी गियर या सुरक्षा उपकरण के मजदूरों को 15 फीट गहरे ट्रंक सीवर में उतारने का काम कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, इस कंपनी को पहले ही कई शहरों में टर्मिनेट किया जा चुका है। नवंबर 2024 में रायबरेली में मुख्य सचिव मनोज सिंह ने विधायक की शिकायत पर खुद निरीक्षण किया था।

निरीक्षण में काम में देरी और भारी लापरवाही मिलने पर के.के. स्पन के काम पर रोक लगाते हुए दूसरे कॉन्ट्रैक्टर को काम देने की बात कही गई थी। गौरतलब है कि लखनऊ जल निगम ने वर्ष 2019 में इस कंपनी को शहर के सीवर लाइन के कार्यों का जिम्मा सौंपा था, जिसे 2020 तक पूरा किया जाना था। लेकिन काम अब तक अधूरा है और शहर को स्मार्ट सिटी बनाने की बजाय आम जनता को सीवर की समस्या में झोंक दिया गया है। देरी और खराब कार्यशैली को लेकर कई बार इस पर जुर्माना भी लगाया गया।

मजदूरों के पास नहीं थे कोई भी सुरक्षा सेफ्टी उपकरण

ऑक्सीजन सिलेंडर सेफ्टी कीट गम बूट ग्लव्स हेलमेट इस अमानवीय व्यवहार के बावजूद आज भी कंपनी मजदूरों की जान से खिलवाड़ कर रही है। इससे बड़ा सवाल यह खड़ा होता है कि आखिर किसके संरक्षण में के.के. स्पन कंपनी को बार-बार इतने गंभीर आरोपों के बाद भी काम मिलते हैं?

जलकल कर्मचारियों की मांगों को लेकर जनजागरण अभियान शुरू

» सात दिन में समाधान नहीं तो आंदोलन की दी चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश जलकल कर्मचारी समन्वय समिति के बैनर तले आज जलकल विभाग लखनऊ की जोन-3 (अलीगंज) इकाई में कर्मचारी समस्याओं, विभागीय अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के खिलाफ जनजागरण अभियान की शुरुआत की गई। यह कार्यक्रम अधिशासी अभियंता कार्यालय के समक्ष आयोजित गेट मीटिंग और कर्मचारियों को संबोधित कर किया गया।

कार्यक्रम में समिति ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि यदि जलकल महाप्रबंधक द्वारा समिति के 25 सूत्रीय मांग पत्र पर आगामी 7 दिनों के भीतर कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो समिति बड़ा आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। समिति ने कहा कि ऐसी स्थिति में आंदोलन की पूरी जिम्मेदारी जलकल महाप्रबंधक की होगी।

महाराष्ट्र–हरियाणा में वोटिंग पर फिर बवाल

कांग्रेस ने चुनाव आयोग को लिखा पत्र

» मतदान दिवस की वीडियो फुटेज उपलब्ध कराए चुनाव आयोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को लिखे पत्र के जवाब में उनसे मिलने और महाराष्ट्र 2024 विधानसभा चुनाव के बारे में उन मुद्दों पर चर्चा की पेशकश की है, जिन्हें उन्होंने और कांग्रेस पार्टी ने उठाया है। पत्र में लिखा गया है कि हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप हमें इस पत्र की तारीख से एक सप्ताह के भीतर महाराष्ट्र की मतदाता सूचियों की मशीन–पठनीय, डिजिटल प्रति और महाराष्ट्र और हरियाणा के मतदान दिवस की वीडियो फुटेज उपलब्ध कराएं।

यह लंबे समय से किया जा रहा अनुरोध है, जिसका अनुपालन करना चुनाव आयोग के लिए आसान होना चाहिए। पार्टी ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी नेतृत्व को यह प्राप्त होने के तुरंत बाद चुनाव आयोग से मिलने में खुशी होगी। उस बैठक में, हम अपने विश्लेषण के निष्कर्ष भी आपके सामने प्रस्तुत करेंगे। कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ नेताओं और विशेषज्ञों के विशेषाधिकार समूह 'ईगल' ने आयोग से यह मांग उस वक्त की है जब निर्वाचन आयोग लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से कहा है कि वह 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के संबंध में उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों को लेकर मिलकर चर्चा कर सकते हैं। 'ईगल' ने आयोग को लिखे एक पत्र में कहा कि पार्टी नेतृत्व को मतदाता सूची और वीडियो फुटेज मिलने के तुरंत बाद आयोग से मिलने में खुशी होगी ताकि वे अपने विश्लेषण के निष्कर्ष भी प्रस्तुत किया जा सके।

कांग्रेस के समूह 'ईगल' ने उठाई थी मांग

प्राप्त

डिजिटल मशीन-रीडेबल वोटर लिस्ट दोनों मिलना चाहिए : खेड़ा

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि हम 2024 से कह रहे हैं कि हमें महाराष्ट्र लोकसभा चुनाव की डिजिटल मशीन-रीडेबल वोटर लिस्ट और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की डिजिटल मशीन-रीडेबल वोटर लिस्ट दोनों चाहिए। इन दोनों चुनावों के बीच 5 महीने का अंतर था। इन 5 महीनों में 40 लाख नए वोट जुड़े हैं, इसलिए पहले हमें डिजिटल मशीन-रीडेबल वोटर लिस्ट दीजिए। हमें महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और हरियाणा विधानसभा चुनाव की वीडियो फुटेज दीजिए, हम उसके बाद आने के लिए तैयार हैं।

बिहार विस चुनाव के लिए आयोग की टीम पहुंची पटना

विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत होने वाले विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान तैयारियों को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी के साथ समीक्षा बैठक में चुनाव आयोग की टीम। भारत निर्वाचन आयोग की टीम बिहार में विधानसभा चुनाव तैयारियों की समीक्षा के लिए गुरुवार को पटना पहुंची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) विनोद सिंह गुंजियाल, सभी प्रमंडलों के आयुक्तों और जिलाधिकारियों के साथ राजधानी में बैठक शुरू हो गई है। इसके उपरांत शुक्रवार को चार भागों में बंटकर यह टीम प्रशिक्षण बैठकें करने अलग-अलग जिलों में जाएगी। उसमें सभी प्रमंडलों के आयुक्तों, जिलाधिकारियों की उपस्थिति में सभी जिलों के ईआरओ और एईआरओ को प्रशिक्षण व आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। टीम में डीईसी मनीष गर्ग, भानु प्रकाश येतुरू, परामर्शी एनएन बूटोलिया, पीआर सचिव अरविंद आनंद, निदेशक बिद्यारानी कोंथोजम, मनोज सी, उप सचिव अभिनव अग्रवाल और सचिव पवन दीवान सम्मिलित हैं। शुक्रवार को आयोग की एक टीम मुंगेर व भागलपुर प्रमंडल के साथ बेगूसराय में तो दूसरी टीम तिरहुत और सारण जिला के साथ मोतिहारी में प्रशिक्षण कार्यक्रम निरीक्षण करेगी। तीसरी टीम पूर्णिया, कोसी और दरभंगा प्रमंडल के साथ पूर्णिया में तो चौथी टीम पटना और मगध प्रमंडल के साथ पटना में प्रशिक्षण कार्यक्रम करेगी।

पीके व कुशवाहा की पार्टियों को मिला चुनाव चिन्ह

जन सुराज पार्टी (जसुपा) सहित पंजीकृत आठ दलों को निर्वाचन आयोग ने चुनाव-चिह्न का आवंटन कर दिया है। जसुपा को चुनाव-चिह्न के रूप में स्कूल बैग मिला है। पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) को गैस सिलेंडर और मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) को नाविक के साथ नाव चुनाव-चिह्न मिला है। बिहार के सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों में इन दलों के प्रत्याशी इसी चुनाव-चिह्न से मैदान में उतरेंगे। मंगलवार को भारत निर्वाचन आयोग ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। निर्वाचन आयोग के इस निर्णय का स्वागत करते हुए जसुपा की ओर से कहा गया है कि स्कूल बैगशिक्षा और प्रगति का प्रतीक है, जो उसकी विचारधारा को भी दर्शाता है।उल्लेखनीय है कि विधानसभा की चार सीटों पर हुए उपचुनाव में भी जसुपा को यही चुनाव-चिह्न मिला था। हालांकि, तब तात्कालिक रूप से मात्र उपचुनाव के लिए उसे इस चुनाव-चिह्न का आवंटन हुआ था। उल्लेखनीय है कि लगातार दो वर्ष की पदयात्रा के बाद पिछले वर्ष दो अक्टूबर को प्रशांत किशोर ने जसुपा के गठन की घोषणा की थी। विधानसभा के पिछले चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के घटक के रूप में वीआईपी चार सीटों पर विजयी रही थी। जसुपा को स्कूल बैग, वीआईपी को नाविक के साथ नाव, रालोमो को गैस सिलेंडर, भारतीय सार्थक पार्टी को कैंची, लोहिया जनता दल को बाल्टी, जन सहमति पार्टी को लेडी पर्स, भारतीय जनता समाजसेवी पार्टी को बांसुरी, राष्ट्रीय समाजवादी लोक अधिकार पार्टी को अंगूठी।

9 जिलों को खत्म करने जा रही भाजपा सरकार

» भाजपा सरकार पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटसरा का हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटसरा ने बड़ा दावा किया है कि प्रदेश की भाजपा सरकार 9 जिलों और 3 संभाग खत्म करने के बाद अब 100 से ज्यादा उपखंड कार्यालय खत्म करने जा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल किया है कि भाजपा सरकार जिले, संभाग व उपखंड कार्यालयों को खत्म करके एवं जनहित योजनाएं बंद करने को ही अपनी उपलब्धियों में गिनवाना चाहती है? डोटसरा ने काह कि कांग्रेस सरकार ने प्रशासनिक इकाइयों का विस्तार कर जनता को राहत देने के साथ ही नए जिले, नए संभाग व उपखंड तहसील बनाकर स्थानीय प्रशासन को सशक्त करने का काम किया था।

उन्होंने कहा कि योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन व मॉनिटरिंग के लिए जिला स्तरीय कार्यालय खोले गए। कांग्रेस सरकार के पांच साल के कार्यकालय के दौरान 125 उपतहसील, 85 तहसील, 35 उपखंड कार्यालय और 13 एसडीएम कार्यालय खोले गए। यहां कर्मचारियों और अधिकारियों को नियुक्त किया गया लेकिन सत्ता में आते ही भाजपा सरकार कांग्रेस के जनहितैषी निर्णयों को अपने द्वेषपूर्ण फैसलों की भेंट चढ़ा रही है।

डेढ़ साल में सीएम ने सिर्फ भ्रमण और भाषण के कुछ नहीं किया

डोटासरा ने कहा कि डेढ़ साल में मुख्यमंत्री भजनलाल ने सिवाय भ्रमण, भाषण और कांग्रेस सरकार की योजनाओं को बंद करने के अलावा जनहित का एक भी काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि क्या व्यवस्था को ध्वस्त करना भाजपा का सुशासन है? प्रशासनिक इकाइयों के पुर्नगठन के नाम पर जिस तरह से उपखंड कार्यालयों, तहसील, उप-तहसील को खत्म करने की तैयारी चल रही है, उसमें अन्य पदों के साथ-साथ मंत्रालयिक पद भी समाप्त हो जाएंगे। यदि भाजपा के लिए यही गुड गर्वनेंस है, तो यह व्यवस्था जनविरोधी और घोर निंदनीय है।

सीएम भजनलाल को हटाने की तैयारी चल रही : गहलोत

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इन दिनों जोधपुर दौरे पर हैं। दौरे के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लेकर बड़ा बयान दिया। गहलोत ने कहा कि राजस्थान और दिल्ली, दोनों जगहों पर भजनलाल शर्मा को हटाने की तैयारी चल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि हम मुख्यमंत्री को समझने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे हमारी बात नहीं समझ पा रहे हैं। गहलोत ने भजनलाल शर्मा के राजनीतिक अनुभव पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह बहुत बड़ी बात है कि पहली बार विधायक बने व्यक्ति को सीधे मुख्यमंत्री बना दिया गया, लेकिन उनका सियासी व्यवहार और दांवपेंच अभी भी समझ से बाहर हैं। जोधपुर रेलवे स्टेशन पर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने जो कहा है, उसके लिए मैं उनकी हिम्मत की दाद देता हूं।

हिमाचल में बादल फटे, ऑरेंज अलर्ट जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कई जिलों में बादल फटने से अचानक बाढ़ आने से दो लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से ज्यादा लोग लापता हो गए। रिपोर्ट के मुताबिक, कांगड़ा जिले में दो शव बरामद किए गए और कम 10 लोग लापता बताए गए। कई घर, एक स्कूल की इमारत, संपर्क सड़कें और छोटे पुल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए, कांगड़ा के डिप्टी कमिश्नर हेमराज बैरवा ने कहा हमने अब तक दो शव बरामद किए हैं, और बुधवार को कांगड़ा में बह गए लोगों का पता लगाने के प्रयास जारी है।

पीड़ित धर्मशाला, कांगड़ा के पास एक

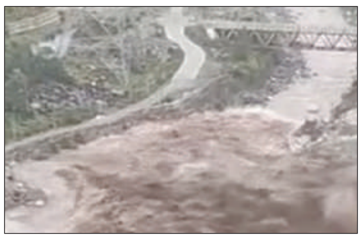

छोटी पनबिजली परियोजना में काम कर रहे थे। हमने संबंधित ठेकेदार से प्लांट में काम करने वाले श्रमिकों की विस्तृत सूची मांगी है। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा और कुल्लू जिलों में बादल फटने से अचानक आयी बाढ़ के बाद से लापता 10 लोगों का पता लगाने के लिए, तलाश अभियान तेज कर दिया गया है।

कर्नाटक और केरल में भारी बारिश के कारण स्कूल बंद वायनाड में बाढ़ की आशंका

कर्नाटक और केरल के अधिकारियों ने कई जिलों में स्कूलों में छुट्टियां घोषित कर दी हैं, क्योंकि दोनों राज्यों में इस सप्ताह भारी बारिश जारी है। संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों के लिए सुरक्षा सलाह भी जारी की गई है, जिसमें सावधानी और तैयारियों का आग्रह किया गया है।कर्नाटक में, दक्षिण कन्नड़ जिले के बेलथांगडी तालुक में सभी आंगनवाड़ी, प्राथमिक और उच्च विद्यालय 26 जून को क्षेत्र में लगातार भारी बारिश के बाद बंद कर दिए गए हैं। हालांकि दक्षिण कन्नड़ जिला प्रशासन ने आधिकारिक तौर पर जिले भर में छुट्टी घोषित नहीं की है, लेकिन बेलथांगडी तालुक में पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश के कारण स्कूल बंद हैं। पड़ोसी केरल में, इडुक्की सहित कम से कम तीन जिलों ने 26 जून को शैक्षणिक संस्थानों के लिए छुट्टी घोषित कर दी है।

सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़

» दो महिला नक्सली ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में गुरुवार को सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह मुठभेड़ अबूझमाड़ के जंगल में हुई। पुलिस अधिकारी के अनुसार, यह मुठभेड़ उस समय हुई जब सुरक्षाकर्मियों की एक संयुक्त टीम माओवादी कैडरों की मौजूदगी की सूचना पर नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी।

पुलिस अधिकारी ने बताया की नक्सल विरोधी अभियान के दौरान बीच-बीच में गोलीबारी हो रही थी। इस मुठभेड़ के दौरान दो महिला नक्सलियों को सुरक्षाकर्मियों ने ढेर कर दिया है। आईजी बस्तर पी सुंदरराज ने बताया कि नारायणपुर के अबूझमाड़ के जंगल में नक्सलियों और संयुक्त बलों के बीच मुठभेड़ के बाद नक्सलियों के शव बरामद किए गये।

बदरीनाथ धाम जा रही मिनी बस अलकनंदा में गिरी, दो की मौत

» दस अन्य लोग लापता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रुद्रप्रयाग और गौचर के बीच घोलतीर गांव के पास बृहस्पतिवार तड़के तीर्थयात्रियों से भरी एक मिनी बस दुर्घटनाग्रस्त होकर अलकनंदा नदी में जा गिरी जिसमें दो व्यक्तियों की मौत हो गई तथा 10 अन्य लापता हैं। चारों धाम के कपाट खुल चुके हैं और लोगों ने अपनी यात्राएं भी जारी कर दी है। मानसून के कारण काफी ज्यादा बारिश हो रही है लेकिन यात्रियों ने अपनी यात्रा को जारी रखा। लेकिन कई बार प्रकृति और इंसान की लापरवाही जान की दुश्मन हो जाती है।

एक दर्दनाक हादसा इसी वजह से रुद्रप्रयाग में हुआ। राष्ट्रीय राजमार्ग पर रुद्रप्रयाग

और गौचर के बीच घोलतीर गांव के पास बृहस्पतिवार तड़के तीर्थयात्रियों से भरी एक मिनी बस दुर्घटनाग्रस्त होकर अलकनंदा नदी में जा गिरी जिसमें दो व्यक्तियों की मौत हो गई तथा 10 अन्य लापता हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, घटना में आठ लोग घायल भी हुए हैं। वाहन में राजस्थान के उदयपुर का एक परिवार भी था जो चारधाम यात्रा पर आया था।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** – संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।